Literacy for a Billion

Movie: Aap Ki Kasam
Year: 1974

Song: Aap Ki Kasam
Lyricist: Anand Bakshi

ओ हो हो
हो ओ हो
ओ ...
उूँ हूँ हूँ

करवटें बदलते रहे
सारी रात हम

करवटें बदलते रहे
सारी रात हम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

करवटें बदलते रहे
सारी रात हम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

ग़म ना करो
दिन जुदाई के
बहुत हैं कम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

याद तुम आते रहे
इक हूक सी उठती रही
नींद मुझसे नींद से मैं
भागती छुपती रही
रात भर बैरन निगोड़ी

चाँदनी चुभती रही
आग सी जलती रही
गिरती रही शबनम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

झील सी आँखों में
आशिक़ डूबके खो जाएगा
जुल्फ़ के साए में दिल
अरमाँ भरा सो जाएगा
तुम चले जाओ नहीं तो
कुछ ना कुछ हो जाएगा
डगमगा जाएँगे ऐसे हाल में क़दम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

रूठ जाएँ हम तो तुम
हमको मना लेना सनम
दूर हों तो पास हमको
तुम बुला लेना सनम
कुछ गिला हो तो गले
हमको लगा लेना सनम

टूट ना जाए कभी
ये प्यार की क़सम

आपकी क़सम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

आपकी क़सम
आपकी क़सम
आपकी क़सम

आपकी क़सम
आपकी क़सम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.